Course Outcomes
M.A. History I Semester

प्रथम प्रश्न पत्र - इतिहास पध्दति

1. इससे अध्ययन से इतिहास का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, इतिहास के प्रकार एवं इतिहास विज्ञान एवं कला के रूप में आदि की जानकारी प्राप्त करते है।
2. इतिहास का अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध साहित्य के साथ संबंध आदि की जानकारी एवं इतिहास में तथ्य एवं उपकरण कारण पूर्वाग्रह आदि से अवगत होते है।
3. इतिहास के अन्तर्गत चक्रवादी सिध्दांत समाजशास्त्रीय सिध्दांत आदर्शवादी सिध्दांत तथा तुलनात्मक सिध्दांत से भलीभांति परिचित होते है।
4. इतिहास का आलोचनात्मक सिध्दांत, भौतिकवादी सिध्दांत सापेक्षवादी सिध्दांत आदि से भी छात्र- छात्राओं को ज्ञान प्राप्त होता है।

M.A. History I Semester

द्वितीय प्रश्न पत्र - आधुनिक विश्व

1. आधुनिक विश्व के अन्तर्गत विश्व में पूंजीवाद का विकास इग्लैड, फ्रांस, जर्मनी, जापान में साम्राज्यवाद का विकास तथा इग्लैड में उदारवाद का विकास की जानकरी प्राप्त करते हैं।
2. बिस्मार्क की विदेशनीति, आंतरिक नीति, कैसर विलियन द्वितीय की विश्व राजनीति, पूर्वी समस्या, अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ आदि की जानकारी प्राप्त करते हैं।
3. बाल्कन युध्द एवं प्रथम विश्व युध्द के कारण एवं प्रभाव, वर्साय की संधि , तथा विश्व में समाजवाद का विकास से सम्बंधित जानकारी से अवगत होते है।
4. 1917 की रूसी क्रांति, राष्ट्रासंघ का गठन, उपलब्धियाँ, विश्व आर्थिक मंदी, इटली में फासीवाद का उदय के कारण एवं मुसोलिनी के गृह एवं विदेश नीति से अवगत होते हैं।

Principal
Mahatma Gandhi Govt.
Arts & Science College Kharsia

Course Outcomes

M.A. History I Semester

तृतीय प्रश्न पत्र - प्राचीन एवं मध्य कालीन छ.ग.

1. इसके अंतर्गत छ.ग. का परिचय, भौगोलिक स्थिति नामकरण, छ.ग. के जनजीवन, प्राचीन छ.ग. की जानकारी तथा मौर्य कालिन गुप्त कालीन छ.ग. सातवाहन का प्रभाव, नलवंश शरभफरीय, पाण्डुवंश, छिन्दक नाग वंश फणिनाग वंश आदि की जानकारी प्राप्त करते है।
2. छ.ग. में कलचुरियों का आगमन, कलचुरी वंश में रत्नदेव से मोहन सिंह तक उनकी शासन व्यवस्था, कलचुरी कालीन आर्थिक दशा से अवगत होते है।
3. कलचुरी कालीन सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशा, स्थापत्य छ.ग. में मराठा शासन- बिम्बा जी का प्रशासन मराठों की सूबा शासन व्यवस्था आदि से परिचित होते है।
4. रघुजी तृतीय मराठा कालीन छ.ग. सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशा एवं ब्रिटिश नियंत्रण काल की जानकारी का ज्ञान प्राप्त करते है।

M.A. History I Semester

चतुर्थ प्रश्न पत्र - चीन और जापान का इतिहास (1800 से 1911)

1. चीन में यूरोपियों का आगमन, अफीम युध्द (**I** एवं **II**) के कारण एवं परिणाम, ताईपिंग विद्रोह तथा जापान में यूरोपियों का प्रवेश, शोगुन शासन व्यवस्था, मेईजी स्थापना एवं जापान का आधुनिकीकरण आदि का ज्ञान प्राप्त होता है।
2. चीन में विद्रोहियों द्वारा लूट खसोट, जापान का औद्योगिकीकरण, चीन जापान युध्द के कारण एवं परिणाम, बाक्सर युध्द आदि से विद्यार्थी परिचित होते हैं।
3. आंग्ल जापान संधि 1902 के कारण एवं परिणाम, रूस जापान युध्द कारण एवं परिणाम, खुले द्वार की नीति, फारमोसा अभियान से अवगत होते हैं।
4. चीन में 1895 से 1911 तक राजनीतिक सुधार आन्दोलन, 1911 की चीन की राज्य क्रांति - कारण, परिणाम, महत्व, डा. सनयात सेन और मंचुवंश का पतन, इन सबकी जानकारी से अवगत होते हैं।

Principal
Mahatma Gandhi Govt.
Arts & Science College Kharsia

M.A. History II Semester

प्रथम प्रश्न पत्र - इतिहास लेखन

1. इतिहास लेखन में यूनानी, रोमन, चीनी इतिहास लेखन के साथ साथ मध्यकालीन यूरोपीय इतिहास लेखन तथा प्रबुध्दतावादी इतिहास लेखन का ज्ञान प्राप्त होता है।
2. अरबी तथा फारसी इतिहास लेखन, प्राचीन भारत में इतिहास लेखन की परम्परा, सल्तनत कालीन एवं मुगल कालीन इतिहास लेखन से परिचित होते हैं।
3. भारतीय इतिहास की साम्राज्यवादी व्याख्या, राश्ट्रवादी व्याख्या, मार्क्सवादी व्याख्या, सबालटर्न अथवा जनवादी व्याख्या आदि का ज्ञान प्राप्त करते हैं। भारतीय इतिहास की विषय वस्तु - आर्थिक, इतिहास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास के महत्व से अवगत होते हैं।
4. जातीय एवं जनजातिय इतिहास, भारतीय इतिहास की विषय वस्तु - कृषक एवं श्रमिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नारी आदि तथा भारतीय इतिहास, लेखन में वामपंथी एवं दक्षिणपंथी वाद विवाद आदि की पर्याप्त जानकारी प्राप्त करते हैं।

M.A. History II Semester

द्वितीय प्रश्न पत्र - समकालीन विश्व

1. समकालीन विश्व के अन्तर्गत जर्मनी में नाजीवाद का उदय, हिटलर की गृह एवं विदेश नीतियाँ, जापान में सैन्यवाद, द्वितीय विश्व युध्द के कारण, प्रभाव, संयुक्त राष्ट्र संघ - संगठन, उपलब्धियाँ, नि:शस्त्रीकरण की समस्याएँ आदि का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
2. 1911 की चीन की क्रांति, चीन में गृह युध्द, राष्ट्रवादी सरकार की स्थापना, चीन में साम्यवादी शासन, तथा इंडोनेशिया में राष्ट्रवादी आन्दोलन आदि की जानकारी प्राप्त करते हैं।
3. शीत युध्द - परिणाम, स्वरूप, अन्तर्राष्ट्रीय संधियां, तनाव एवं साम्यवादी रूस का विघटन - उसके कारण एवं परिणाम, एक ध्रुवीय विश्व से अवगत होते हैं।
4. गुट निरपेक्ष आन्दोलन एवं भारत, पंचशील, अरब राष्ट्रवाद, आधुनिक तुर्की तथा अन्तर्राष्ट्रीय समस्याएँ, फिलीस्तीन, कोरिया एवं वियतनाम आदि की ज्ञान प्राप्त करते हैं।

Principal
Mahatma Gandhi Govt.
Arts & Science College Kharsia

M.A. History II Semester

तृतीय प्रश्न पत्र - आधुनिक छ.ग. का इतिहास

1. आधुनिक छ.ग. के अन्तर्गत ब्रिटिश सत्ता की स्थापना, ब्रिटिशकालीन प्रशासनिक व्यवस्था, छ.ग. की सामाजिक, सांस्कृतिक दशा तथा छ.ग. के रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीति की जानकारी प्राप्त करते हैं।
2. छ.ग. में 1857 के विद्रोह - सैनिक विद्रोह, जमींदारी विद्रोह - वीर नारायण सिंह, बस्तर में आदिवासी विद्रोह 1876, 1910 तथा छ.ग. में राष्ट्रीय आन्दोलन, असहयोग, सविनय अवज्ञा, जंगल सत्याग्रह तथा व्यक्तिगत सत्याग्रह की घटनाक्रम से अगवत होते हैं।
3. छ.ग. में भारत छोड़ो आन्दोलन, किसान आन्दोलन, श्रमिक आन्दोलन, छ.ग. में रियासतों का विलनीकरण से संबंधित ज्ञान प्राप्त करते हैं।
4. छ.ग. में धार्मिक समस्याएँ - शैव,वैष्णव,शाक्य, जैन एवं बौध्द धर्म, एवं कबीर एवं सतनाम पंथ तथा छ.ग. की लोक संस्कृति छ.ग. राज्य निर्माण की पृष्ठभूमि आदि सभी जानकारी प्राप्त करते हैं।

M.A. History II Semester

चतुर्थ प्रश्न पत्र - चीन और जापान का इतिहास 1911 - 1950

1. चीनी गणराज्य, युवान शी काई का शासन, चीन एवं प्रथम विश्व युध्द, चीन में राष्ट्रवादी सरकार की स्थापना की जानकारी से अवगत होते हैं।
2. व्युओमिंतांग की गणतंत्र, जापान एवं प्रथम विश्व युध्द, जापान का आधुनिकीकरण - कारण एवं प्रगति तथा जापान में सैन्यवादी से छात्र-छात्राएँ परिचित होते हैं।
3. जापान में साम्राज्यवाद 1932-1939, चीन में गृहयुध्द, चीन में राष्ट्रवादियों की पराजय तथा मंचूरिया संकट, चीन में साम्यवाद का उत्कर्ष, चीन में औद्योगिकीकरण का भलीभांति ज्ञान प्राप्त करते हैं।
4. जापान एवं एंटीकोमिन्टर्न पैक्ट, चीन - जापान में द्वितीय युध्द, चीन एवं द्वितीय विश्व युध्द, द्वितीय विश्व युध्द में जापान का प्रवेश, चीन में साम्यवादी सरकार तथा द्वितीय विश्व युध्द में जापान के पराजय के कारण का ज्ञान प्राप्त करते हैं।

Principal
Mahatma Gandhi Govt.
Arts & Science College Kharsia

M.A. History III Semester

प्रथम प्रश्न पत्र - सल्तनत कालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1200 से 1526 तक)

1. सल्तनत कालीन इतिहास के स्त्रोत, सल्तनत की स्थापना, प्रसार, सल्तनतकालीन इतिहास लेखन, विचारधाराएँ, राज्य का स्वरूप- सिध्दांत, केन्द्रीय प्रशासन, प्रान्तीय व्यवस्था - इक्ता आदि की जानकारी प्राप्त करते हैं।
2. अलाउद्दीन खिलजी की आर्थिक नीति - बाजार नियंत्रण, उसकी विजय - उत्तर भारत एवं दक्षिण भारत विजय, मुहम्मद बिन तुगलक की योजनाएँ, फिरोजशाह तुगलक का प्रशासन, सल्तनतकालीन क्षेत्रीय राज्य- उत्तर एवं दक्षिण भारत आदि से अवगत होते हैं।
3. सल्तनत कालीन भू राजस्व व्यवस्था, शिल्प एवं उद्योग, सल्तनत कालीन आंतरिक एवं विदेशी व्यापार से छात्र छात्राएं परिचित होते हैं।
4. तैमूर का आक्रमण एवं प्रभाव, सल्तनत काल में नगरों का उदय, सल्तनतकालीन मुद्राएँ एवं बैंकिंग, सल्तनत कालीन कृषि एवं उद्योग से भलीभांति ज्ञान प्राप्त करते हैं।

M.A. History III Semester

द्वितीय प्रश्न पत्र - सल्तनत कालीन समाज एवं संस्कृति (1200 से 1526 तक)

1. इसके अन्तर्गत सल्तनत कालीन समाज - संरचना, नगरीय समाज नये सामाजिक वर्गों का उदय, हिन्दू समाज, सल्तनत कालीन मुस्लिम समाज की स्थितियों से अवगत होते हैं।
2. भक्ति आन्दोलन - कारण, सगुण भक्ति, कृष्ण भक्ति, राम भक्ति, निर्गुण भक्ति सम्प्रदाय - कबीर, नानक, भक्ति आन्दोलन की क्षेत्रीय विशेषताएं, भक्ति आन्दोलन का समाज पर प्रभाव, संस्कृति एवं साहित्य पर प्रभाव की जानकारी प्राप्त करते हैं।
3. सूफीवाद,सूफी संत,सूफीवाद की विशेषताएँ, इण्डो-इस्लामिक संस्कृति का उदय, विकास, सल्तनत कालीन विज्ञान एवं तकनीकी का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
4. सल्तनत कालीन स्थापत्य कला, क्षेत्रीय स्थापत्य कला, सल्तनत काल में साहित्य का विकास, सल्तनत कालीन कृषि एवं उद्योग से छात्र-छात्राएँ भलीभांति परिचित होते हैं।

Principal
Mahatma Gandhi Govt.
Arts & Science College Kharsia

M.A. History III Semester

तृतीय प्रश्न पत्र - भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास (1857 से 1922 तक)

1. इसके अन्तर्गत 1857 के विद्रोह के कारण, विद्रोह का स्वरूप, परिणाम, भारत में राष्ट्रवाद, कांग्रेस के स्थापना के पूर्व राजनीतिक संगठन, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, कांग्रेस का नरम युग, विचारधाराएँ, कार्यक्रम, उद्देश्य की जानकारी प्राप्त करते हैं।
2. कांग्रेस मे उग्रवाद का उदय - विचारधारा, नरम पंथी एवं उग्रवाद संघर्ष, बंग भंग एवं स्वदेशी आंदोलन, साम्प्रदायिक राजनीति का उदय, मुस्लिम लीग, लखनऊ समझौता एवं होमरूल आन्दोलन आदि से भलीभांति परिचित होते हैं।
3. गांधीजी का भारतीय राजनीति में प्रवेश, उसके नेतृत्व में आरम्भिक आन्दोलन, रोलेट एक्ट, जलियावाला बांग हत्याकाण्ड और उसका प्रभाव, हण्टर कमीशन रिपोर्ट का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
4. 1919 के अधिनियम, महाराष्ट्र, बंगाल, पंजाब एवं अन्य स्थानों में क्रांतिकारी आन्दोलन, असहयोग आन्दोलन, एवं उसका भारतीय राजनीति पर प्रभाव से अवगत होते हैं।

M.A. History III Semester

चतुर्थ प्रश्न पत्र - भारत का सांस्कृतिक इतिहास (प्रारंभ से 1526 तक)

1. भारत के सांस्कृतिक इतिहास में हड़प्पा कालीन सामाजिक एवं आर्थिक जीवन, कला एवं स्थापत्य कला, आर्यों का मूल निवास सम्बन्धी विचार, आर्यों का भारत में प्रसार से परिचित होते हैं।
2. ऋग्वैदिक कालीन समाज एवं संस्कृति, उत्तर वैदिक कालीन समाज एवं संस्कृति, वेद, उपनिषद, स्मृति ग्रंथ, महाकाव्यकालीन संस्कृति, महाजनपद कालीन समाज, संस्कृति का भलीभांति ज्ञान प्राप्त करते हैं।
3. जैन धर्म एवं बौध्द धर्म, मौर्य कालीन समाज एवं संस्कृति, भारतीय संस्कृति में अशोक का योगदान, गुप्तकालीन समाज एवं धर्म, कला, विज्ञान एवं साहित्य आदि की ज्ञान प्राप्त करते हैं।
4. राजपूतकालीन समाज, कला एवं साहित्य, सल्तनज कालीन समाज, संस्कृति की विशेषताएँ एवं भक्ति आन्दोलन तथा सूफी आन्दोलन से अवगत होते हैं।

Principal
Mahatma Gandhi Govt.
Arts & Science College Kharsia

M.A. History IV Semester

प्रथम प्रश्न पत्र - मुगल कालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1526 से 1750 तक)

1. इसके अन्तर्गत मुगल कालीन इतिहास के स्त्रोत, इतिहास लेखन, विभिन्न विचारधाराएँ, राजनय, दैवीय अधिकार का सिध्दांत, मुगल शासकों की राजस्व नीति की जानकारी प्राप्त करते हैं।
2. मुगल कालीन केन्द्रीय प्रशासन, केन्द्रीय प्रशासन की विशेषताएँ, मनसब एवं जागीर एवं शेरशाह का प्रशासन, मुगलकालीन दरबारी राजनीति, संघर्ष, मराठा इतिहास का स्त्रोत, मराठा राज्य की स्थापना, विकास तथा शिवाजी का प्रशासन की भलीभांति ज्ञान प्राप्त करते हैं।
3. मुगल कालीन कृषि एवं अर्थव्यवस्था, भू-राजस्व व्यवस्था, शिल्प उद्योग, मुगलकालीन आंतरिक व्यापार, विदेशी व्यापार से छात्र-छात्राएं परिचित होते हैं।
4. मुगल काल में नगरों का उदय - नगरीय प्रशासन, मुगलकालीन मुद्रा एवं बैंकिंग, नये व्यापारिक वर्गों का उदय, मुगल काल में कृषि एवं उद्योग में तकनीकी परिवर्तन का ज्ञान प्राप्त करते हैं।

M.A. History IV Semester

द्वितीय प्रश्न पत्र - मुगल कालीन समाज एवं संस्कृति (1526 से 1750 तक)

1. मुगल कालीन हिन्दू समाज, मुस्लिम समाज, समाज में शासक वर्ग की भूमिका, समाज में स्त्रियों की दशा की जानकारी प्राप्त करते हैं ।
2. मुगलकालीन स्थापत्य कला, क्षेत्रीय स्थापत्य कला, चित्रकला एवं क्षेत्रीय चित्रकला का विकास, फारसी भाषा एवं साहित्य का विकास, हिन्दी साहित्य का विकास, संस्कृत साहित्य का विकास, उर्दू भाषा एवं साहित्य का विकास से छात्र- छात्राएँ परिचित होते हैं।
3. मुगल काल में समन्वयवादी संस्कृति का विकास, संस्कृति के विकास में अकबर का योगदान, समन्वयवादी संस्कृति का विघटन और औरंगजेब, मुगलकाल में नृत्य एवं संगीत कला का विकास का ज्ञान होता है।
4. मुगल काल में धार्मिक आंदोलन, सामन्ती व्यवस्था का समाज पर प्रभाव, मराठा संस्कृति की विशेषताएँ, मुगल काल में इसाई धर्म का आगमन से छात्र-छात्राएँ भलीभांति अवगत होते हैं।

Principal
Mahatma Gandhi Govt.
Arts & Science College Kharsia

M.A. History IV Semester

तृतीय प्रश्न पत्र - भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास (1922-1947)

1. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में स्वराज्य दल, साइमन कमीशन, नेहरू रिपोर्ट, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, गोलमेज सम्मेलन, पूना समझौता, एवं श्वेत पत्र, प्रान्तीय स्वायतता का क्रियान्वयन का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
2. राजनीतिक गतिरोध 1940-45, क्रांतिकारी आन्दोलन का द्वितीय चरण, भारतीय राजनीति में वामपंथी विचारधारा, कृषक एवं जनजातीय आन्दोलन, श्रमिक आन्दोलन की जानकारी प्राप्त करते हैं।
3. व्यक्तिगत सत्याग्रह, क्रिप्स मिशन, भारत छोड़ो आन्दोलन, भारतीय राजनीति में गाँधीजी का योगदान से विद्यार्थी अवगत होते हैं।
4. भारत विभाजन की योजनाएँ, कैबिनेट मिशन, अंतरिम सरकार, आजाद हिन्द फौज एवं सुभाष चन्द्र बोस, साम्प्रदायिक राजनीति का विकास एवं भारत विभाजन से भलीभांति परिचित होते हैं।

M.A. History IV Semester

चतुर्थ प्रश्न पत्र - भारत का सांस्कृतिक इतिहास (1526 1950)

1. भारतीय संस्कृति में अकबर का योगदान, मुगल कालीन समाज, मुगल कालीन स्थापत्य कला, मुगल कालीन चित्रकला, संगीत कला आदि की जानकारी प्राप्त करते हैं।
2. दक्षिण भारतीय सांस्कृतिक जीवन, दक्षिण भारत की कला एवं स्थापत्य कला, यूरोपियों के आगमन का आर्थिक प्रभाव, भारतीय संस्कृति पर पाश्चात्य प्रभाव,भारतीय संस्कृति में ईसाई मिशनरियों का योगदान आदि से परिचित होते हैं।
3. राजा राम मोहन राय एवं ब्रम्ह समाज, आर्य समाज तथा थियोसोफिकल सोसायटी, रामकृष्ण मिशन, एवं स्वामी विवेकानंद, मुस्लिम समाज सुधार आन्दोलन से अवगत होते हैं।
4. ब्रिटिश भारत में नारी की स्थिति, सामाजिक कुरीतियाँ, ब्रिटिश भारत में नारी सुधार का प्रयास, कम्पनी शासन काल में शिक्षा का विकास 1857 तक एवं ब्रिटिश शासन काल में शिक्षा का विकास 1857 से 1947 तक का ज्ञान प्राप्त करते हैं।

Principal
Mahatma Gandhi Govt.
Arts & Science College Kharsia